

PETITION RE. DEMANDS OF STUDENTS

श्री विजय कुमार मलहोत्रा (बलिन दिल्ली) : मैं छात्रों की मांगों के बारे में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रधान तथा अन्य व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षरित एक याचिका प्रस्तुत करता हूँ।

MR. SPEAKER: The House stands adjourned till 2 P.M. 12.02 hrs.

The Lok Sabha adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock.

The Lok Sabha reassembled after Lunch at five minutes past Fourteen of the Clock.

(MR. DEPUTY-SPEAKER in the Chair)

MATTERS UNDER RULE 377

(i) REPORTED LOW AND UNREMUNERATIVE PRICES OF JAGGERY

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Ramoowalia. He is not here. Mr. Rajagopal Naidu.

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU (Chittoor): Mr. Deputy-Speaker, Sir, jaggery prices went down very low. Last year itself we had represented about this to the Government. But only 5,000 tonnes were purchased at market prices in the North.

55 per cent of the cane produced in our country is going to jaggery production. The prices are very low and unremunerative. The Government has to fix up the support price for jaggery and purchase the surpluses.

I learn that there is a proposal to purchase jaggery from Maharashtra. It is a good thing. But Andhra Pradesh also is an important State producing jaggery. There are very big jaggery markets in Vizag and Chittoor districts. Therefore, the Government should purchase jaggery from these areas also.

(ii) REPORTED NON-ALLOCATION OF WHEAT AND RICE TO BIHAR FOR "FOOD FOR WORK" SCHEME

श्री जगजितलाल शर्मा (गुजिया) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे प्रार्थना से नियम 377 के अधीन अखिल भारतीय शीकर मूलेय के प्राथमिक विद्यार्थी की ओर भारत सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ :—

कि "काम के बच्चे भोजन" योजना में पिछले तीन बार महानों से बिहार में गेहूँ और चावल का आवंटन नहीं हुआ है जिससे चारों ओर हाहाकार मचा हुआ है। इस समय खेत मजदूरों के पास कोई काम नहीं। उनके सामने भूखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इनकी सहाय्य एक करोड़ से अधिक है।

इसके अतिरिक्त गेहूँ के प्रभाव में हजारों योजनाएं झूठी पढ़ी हुई हैं। यदि ये योजनाएं वर्षारम्भ के पूर्व पूरी नहीं की गईं तो सारी झूठी योजनाएं वर्षा में विनीत हो जायेंगी।

अतः खेत मजदूरों तथा अन्य लोगों को काम देने, भूखमरी को दूर करने और झूठी योजनाओं को नष्ट होने से बचाने के लिए बिहार सरकार को और से की गई मांग के अनुसार धन की शीघ्र आपूर्ति की जाये।

(iii) REPORTED BUS ACCIDENT IN NEPAL ON 27-2-79

श्री राज नारायण (राय बरेली) : उपाध्यक्ष महोदय, लोकसभा प्रक्रिया कार्य संचालन नियमों के नियम 377 के अधीन मैं निम्न तात्कालिक विषय को उठाने की सूचना देना हूँ।

"एक बालक को छोड़कर काठमाण्डू गई बस के सभी यात्री मृत" वाराणसी से 26 फरवरी को रात को काठमाण्डू गई बस नम्बर यू० टी० टी० 7214 के मुनीसी से 45 किलोमीटर भाग नेपाल की पहाड़ियों में दुर्घटनाग्रस्त होने को पुष्टि आज 5 मार्च बरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री कन्हैया लाल गुप्त ने कर दी। उन्हें यह जानकारी गोरखपुर के बरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बायार्लेस द्वारा आज दी। पुलिस के अनुसार इस दुर्घटना में 11 वर्षीय एक बालक को छोड़कर सभी व्यक्ति मारे गये। बस में 55 व्यक्ति थे और यह घटना 27 फरवरी को हुई। मृतक व्यक्तियों की लाशें उनके घर वालों को नहीं मिल पा रही हैं, जबकि मृतक लोगों की पहचान भी हो गई है। नेपाल स्थित भारतीय वृत्तवास इस मामले में पूरी तरह उदासीन है और इस भीषण दुर्घटना में उसने अपना कार्य, जो उसे करना चाहिए, बिल्कुल नहीं किया। इस सम्बन्ध में प्रधान मंत्री श्री श्री गृह मंत्री जी को भी मैंने जानकारी करा दी है।

यह पता तो मैंने आपको 6 तारीख को दिया था। आज सुबह मुझे प्रधान मंत्री जी ने बताया है कि इस खबर को पुष्टि नहीं हुई है। उनका कहना है कि माघ यह दुर्घटना हुई ही नहीं, और ऐसी जानकारी नेपाल के वृत्तवास से मिली है। श्री बाजपेयी ने भी कल रात को कुछ इसी तरह की बात कही थी। मैंने वाराणसी के कलकट और पुलिस कप्तान से स्पष्ट और देखीकाने से सम्बन्ध स्थापित करने की कोशिश की, मगर वे दोनों मुझे नहीं मिल पाये।

फिर जब भी चन्ड सेबर, एम० पी० धामे, जिन को आप जानते हैं, तो मैं ने उनसे पूछा कि आप बनारस से आ रहे हैं, क्या आपको इस बारे में जानकारी है। तो उन्होंने कहा कि जानकारी तो उनको हुई है, शायद भी आपको वहाँ से लौटे हैं, और मैं कुछ खबर दे रहे हैं कि बस की दुर्घटना की जो खबर पहले आई थी, उस में कुछ दोष है, शायद बस की दुर्घटना नहीं हुई है।

अब ऐसी स्थिति है कि उन लोगों के घर के पूरे के पूरे सदस्य काठमांडू चले गये थे। जब मैं 4 तारीख को वाराणसी गया था, तो मुगलसगय रेलवे स्टेशन पर दुल्हेश्वर के साथ कैम्पकलज के बहुत से मजदूर मेरे पास आये। वे रोजे चिन्ताने लगे कि तीन घरों के लोगों में से कोई बचा ही नहीं है, हम लोगों के घरों के पचास आदमी गये हैं, लेकिन कोई लाश नहीं मिल पा रही है। मैं ने कमिश्नर और कलक्टर को फोन किया और यहाँ थी वाजपेयी से कन्टेक्ट किया। मैं ने यह अपना कर्तव्य समझा। प्रधान मंत्री जी ने आज सुबह सूचना दी। मैं उसकी भी जानकारी आपको दे दूँ, ताकि स्थिति साफ हो। लेकिन मैं चाहता कि विदेश मंत्री इस बात की जानकारी प्राप्त करें कि जब 27 तारीख को घटना घटी और तभी से इसका प्रचार हुआ, आज इंडिया रेडियो ने समाचार प्रसारित किया और कई भारतीय समाचारपत्रों ने भी समाचार दिया, तो सरकार ने इसका पता क्यों नहीं लगाया और इस बारे में प्रकाश क्यों नहीं डाला। ये सब बहुत प्रतिष्ठित अखबार हैं।

MR. DEPUTY-SPEAKER: You have already finished the statement. I will call the next speaker.

श्री राज नारायण: "घाज" में यह समाचार दिया गया: "नेपाल में बस दुर्घटना में मृत्यु। लोगों के शव वाराणसी लाने का प्रयास। दुर्घटनाग्रस्त बस के 56 यात्रियों में से केवल 11 वर्षीय भाग्यशाली बालक बचा।" "सन्मान" में लिखा गया: "काठमांडू में हुई दुर्घटना की पुष्टि। 60 माली मृत। 10 वर्षीय मात्र एक बालक जीवित।" "गांधी" में यह समाचार छपा: "एक बालक को छोड़कर काठमांडू गई बस के सभी माली मृत।"

गोरखपुर के बरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने वाराणसी के बरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को जानकारी दी। प्रश्न यह है कि बरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी क्यों दी। कहीं न कहीं गोलमाल है। इस गोलमाल का पता लगा कर विदेश मंत्री या घर मंत्री या प्रधान मंत्री जी इस सदन और देश की जनता को जानकारी दें।

विदेश संचालक में राज्य मंत्री (श्री सचरेन्द्र कुंड़): उपाध्यक्ष महोदय, मैं कुछ कहना चाहता हूँ।

SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN (Coimbatore): A very prompt reply. We must congratulate him. I hope the other Ministers will learn from him.

PROF. P. G. MAVALANKAR (Gandhinagar): A very good example.

SHRI K. VIJAYA BHASKARA REDDY (Kurnool): It is a good precedent.

SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN: Other Ministers sit in the House like a statue.

AN HON. MEMBER: Granite statue.

श्री सचरेन्द्र कुंड़: जब इस घटना की खबर हमारे पास आई, तो हम लोगों ने तत्काल इसकी खोज खबर की। हमारे पास जो खबर है, जिस बस के बारे में माननीय सदस्य राजनारायण जी ने जिक्र किया बस न० यू टी टी 7214, उस में दो आदमियों के नाम हैं, एक है श्री पी के चौधरी जो कि सेक्युरिटी आफिसर हैं। माहू. कैम्पकलम गेव्ह फटिलाइजर्स में, उन्होंने खबर दी कि बस जो यात्रियों को काठमांडू ले गई थी उस का ऐक्सीडेंट हो गया। लेकिन हम नहीं खबर ली तो उस के बारे में मालूम हुआ कि यह गलत बात है और उस बस का कोई ऐक्सीडेंट नहीं हुआ।

The bus that has safely visited Kathmandu has since left for India via Janakpur.

श्री यह बात भी चौधरी जी को पता है जिन्होंने पहले खबर दी।

श्री राजनारायण: कौन चौधरी ?

श्री सचरेन्द्र कुंड़: पी० के० चौधरी जो माहू. कैम्पकलम गेव्ह फटिलाइजर्स के सेक्युरिटी आफिसर थे जिन का नाम ने जिक्र किया। तो हम ने तुरंत खबर ली और उस बस में कोई ऐक्सीडेंट नहीं हुआ।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Why has he given such a wrong information?

श्री सचरेन्द्र कुंड़: और एक ऐक्सीडेंट बहुत पहले हुआ था और वहाँ पर कटीब बार आदमी ऐसे मर गए थे। लेकिन उस के साथ इसका कोई सम्बन्ध नहीं है।

उपाध्यक्ष महोदय: वह हमरा ऐक्सीडेंट बा। श्री सचरेन्द्र कुंड़: अखबार में भी जो खबर निकली है उस खबर में भी यह साफ कर दिया है—

"According to Senior Police Officer, the news was that based on the information received from the border checkposts. But, on physical verification, at the site, the news was found to be incorrect."